तूने किया ना हरि से प्यार

तूने किया ना हरि से प्यार,
सारा जीवन दीन्हा गुज़ार,
तेरी ये नादानी है ओ रे मनुआ,
तेरी ये कहानी है ओ रे मनुआ॥

तुमने पाया जो तन,
फिर ना पाओगे प्यारे दुवारा,
तेरा हीरा जीवन,
बीता जाता है सारा का सारा,
माया में रे काहे तू लिपटानी है,
ओ रे मनुआ....

तेरे दुख का कारण,
तेरी प्रभु के प्रति बेरुखी है,
जो प्रभु के रंग में,
रंग गया तो बो ही सुखी है,
समझ ना जो उसको,
वो अज्ञानी है ।।
ओ रे मनुआ....

अरे कर्म कर तू ऐसे,
जिससे सुधरे ये जीवन तुम्हारा,
अरे जन्म और मरण से,
मिल जाएगा रे छुटकारा,
'राजेन्द्र' की बात नही,
संतो की बानी है ।।
ओ रे मनुआ.....

तूने किया ना हरि से प्यार,
सारा जीवन दीन्हा गुज़ार,
तेरी ये नादानी है ओ रे मनुआ,
तेरी ये कहानी है ओ रे मनुआ॥

गायक /गीतकार-राजेन्द्र प्रसाद सोनी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24727/title/tune-kiya-na-hari-se-pyar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |